संपादकीय

राहुल को युद्ध और हिंसा की सचाई समझना होगा

देशवासियों को बेसब्री से इंतजार था और दिलचस्पी भी थी कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहली बार राहुल गांधी सदन में कौन-सा नया विचार रखेंगे। कौन-कौन से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दे हैं जिनसे सरकार और प्रधानमंत्री को असहज करेंगे। इतिहास ने उन्हें करोड़ों देशवासियों का दिल जीतने का अवसर दिया था लेकिन उन्होंने ऐतिहासिक अवसर को गंवा दिया। राहुल खुद को 'एंगरी यंगमैन' के रूप में पेश करते हुए भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कह गए कि जो लोग खुद को हिन्दू कहते हैं, वे चौबीस घंटे हिंसा, नफरत और झूठी बातें करते रहते हैं।

देश के समूचे हिन्दू समाज को हिंसक बताकर बहुसंख्यक आबादी को न केवल नाराज किया, बल्कि अपमानित भी कर दिया। जब प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर हस्तक्षेप करते हुए कहा कि पूरे हिन्दू समाज को हिंसक कहना गलत है, यह गंभीर विषय है। इसके बाद राहुल को समझ में आया कि वह गलती कर बैठे हैं और अपनी गलती को सुधारते हुए उन्हें कहना पड़ा कि वह भाजपा के बारे में बोल रहे थे। भाजपा, आरएसएस या प्रधानमंत्री मोदी पूरा हिन्दू समाज नहीं हैं।

सबसे दिलचस्प बात यह थी कि राहुल भगवान शिव, भगवान बुद्ध, महावीर, गुरुनानक देव की तस्वीर लेकर सदन में आए थे। उन्होंने अपनी बात रखते हुए ईसा मसीह और पैगम्बर मोहम्मद साहिब का भी जिक्र किया और कहा कि ये सभी अभय मुद्रा में हैं। यह सच है कि इन सभी महापुरुषों ने शांति और अहिंसा का संदेश दिया है और यह भी सच है कि कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं करता।

लेकिन राहुल किसी भी महापुरुष के दर्शन और विचार को न परिभाषित कर पाए, न व्याख्यायित कर पाए और न सदन के जरिए देशवासियों को ही समझा पाए। पौराणिक ग्रंथों में सुर-असुर संग्राम की चर्चा है। धर्म की रक्षा के लिए शिव, कृष्ण आदि देवताओं ने भी हथियार उठाए हैं। चाहे शिवाजी हों या महाराणा प्रताप, सभी के जीवन में युद्ध करने के अवसर आए हैं। पिछले दो वर्षों से समूचे विश्व का ध्यान रूस-यूक्रेन और फिलिस्तीन-इस्राइल युद्ध की ओर गया है।

मानवीय हिंसा और युद्ध गहरी चिंता और घृणा के विषय हैं, लेकिन यह भी सच है कि पिछले दो विश्व युद्ध भी मानव जाति को युद्ध और हिंसा की आग में जलाने से रोक नहीं पाए। राहुल गांधी को युद्ध और हिंसा की सचाई को समझना होगा। कोई भी सभ्य समाज हिंसा का समर्थन नहीं करता।

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन में गिरावट, अन्य में सुधार

नईदिल्ली

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में डी-आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग की वजह से सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट आई। दूसरी ओर आयातित सोयाबीन डीगम तेल की जुलाई खेप की कीमत में वृद्धि के कारण बाकी सभी देशी एवं आयातित तेल-तिलहन के दाम में सुधार देखने को मिला।

बाजार सूत्रों ने कहा कि जुलाई खेप वाले सोयाबीन डीगम तेल का दाम कांडला बंदरगाह पर 1,040-1,045 डॉलर प्रति टन से बढक़र 1,080-1,085 डॉलर प्रति टन हो गया है। इसकी वजह से बाकी सभी देशी और आयातित तेलों के दाम में वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि, जितना विदेशों में दाम बढ़े हैं उतनी वृद्धि देश में नहीं देखने को मिली।

इस वृद्धि की वजह से सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल तथा कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन के साथ-साथ बिनौला तेल के दाम मजबूत बंद हुए। जुलाई खेप का तेल देश में सितंबर महीने तक पहुंचेगा। इस तेल की आयात की लागत बंदरगाह पर 92 रुपये किलो पड़ता है बैंकों के कर्ज के भुगतान जरूरत की वजह से आयातक इसे आयात लागत के मुकाबले कम यानी 88 रुपये किलो के भाव बेच रहे हैं जिसके लिए भी लिवाल नहीं मिल रहे।

सूत्रों ने कहा कि लगभग ढाई लाख टन की मासिक जरूरत के मुकाबले जून महीने में लगभग पांच लाख टन सूरजमुखी तेल का आयात हुआ जिसे बाजार में 'राजा तेल' के रूप में जाना जाता है। इस आयात ने देशी तेल-तिलहनों की हालत और पस्त कर दी है, जिनकी खपत पहले ही काफी कम हो चुकी है।

आयात के हिसाब से इस तेल का दाम 88 रुपये लीटर बैठता है। लेकिन कांडला बंदरगाह पर 82 रुपये लीटर के हिसाब से भी इस तेल के लिवाल नहीं मिल रहे हैं, ऐसी स्थिति में देशी सूरजमुखी तेल (औसत कीमत 140-145 रुपये लीटर) का बाजार में खपना और तिलहन उत्पादन बढ़ाकर आत्मनिर्भरता हासिल करने का सपना 'दूर की कौड़ी' नजर आता है।

सूत्रों ने कहा कि तिलहनों के दाम सरकार हर साल बढ़ाती है लेकिन तेल का दाम 10-20 रुपया भी न बढ़े इसके लिए जो रास्ता अपना रही है, उससे सरकार को आयात के लिए अधिक विदेशी मुद्रा खर्च करना पड़ता है।

इससे देशी तेल-तिलहन उद्योग को चोट पहुंचने के साथ-साथ तिलहन किसान को वाजिब दाम नहीं मिल पाता और कई बार एमएसपी से कम दाम पर तिलहन बेचने को मजबूर होना पड़ता है, देशी तेल मिलों का कामकाज प्रभावित होता है।

मौजूदा समय में पेराई के बाद दाम बेपड़ता होने की वजह से पेराई मिलों को लिवाल नहीं मिलते जिससे उन्हें घाटा हो रहा है। बैंकों का 'लेटर आफ क्रेडिट' चलाते रहने के लिए आयातकों को आयात लागत से कम दाम पर तेल बेचने से नुकसान है जिससे बैंकों के कर्ज डूबने का खतरा पैदा होता है। इन सबसे आगे जिस तेल को सस्ता करने और उपभोक्ताओं को फायदा देने के लिए ये सारी कवायद की जा रही होती है, उस उपभोक्ता को खुदरा में यही तेल मंहगे में खरीदना पड़ रहा है।

सूत्रों ने कहा कि जब देशी तेल का बाजार ही नहीं है और उसके लिए अनुकूल नीतियां नहीं हों तो किसान तिलहन बढ़ाकर भी क्या करेंगे जब उसका बाजार में खपना तय ही न हो।

मौजूदा समय में देशी सरसों, सोयाबीन, बिनौला, मूंगफली, सूरजमुखी जैसे तेल-तिलहन को इस परिस्थिति से गुजरना पड़ रहा है। फिर तेल तिलहन उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करना एक सपने की तरह नजर आता है।

सूत्रों ने कहा कि देश को सस्ते आयातित तेलों का 'डंपिंग ग्राउंड' बनने से बचाने और देशी तेल तिलहन उद्योग को बचाने के लिए सरकार को तत्काल सूरजमुखी तेल के अंधाधुंध आयात को नियंत्रित करने के लिए उसपर आयात शुल्क बढ़ाना चाहिये जो हमारे देशी 'सॉफ्ट आयल' (मूंगफली, सोयाबीन, सरसों, बिनौला, सूरजमुखी) को सीधे तौर पर प्रभावित कर रहे हैं।

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव पांच रुपये बढक़र 6,035-6,095 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 75 रुपये बढक़र 11,675 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 10-10 रुपये की तेजी के साथ क्रमश: 1,900-2,000 रुपये और 1,900-2,025 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

डीआयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग होने की वजह से समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमश: 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 4,570-4,590 रुपये प्रति क्विंटल और 4,380-4,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम के जुलाई शिपमेंट के दाम बढऩे के कारण सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश: 150 रुपये, 50 रुपये और 100 रुपये की तेजी के साथ क्रमश: 10,400 रुपये, 10,200 रुपये तथा 8,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन कीमतें मजबूत रहीं।

मूंगफली तिलहन 100 रुपये की तेजी के साथ 6,350-6,625 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 320 रुपये की तेजी के साथ 15,200 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 30 रुपये की तेजी के साथ 2,280-2,580 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 100 रुपये की तेजी दर्शाता 8,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 125 रुपये की तेजी के साथ 9,850 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 120 रुपये की तेजी के साथ 8,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सूत्रों ने कहा कि बिनौला तेल का भाव 100 रुपये मजबूत होकर 10,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

22 जुलाई से शुरू होगा संसद का बजट सत्र, 23 जुलाई को बजट पेश करेंगी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नईदिल्ली

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा और 12 अगस्त को समाप्त होगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को बजट पेश करेंगी। रीजीजू ने कहा, "भारत की माननीय राष्ट्रपति ने भारत सरकार की अनुशंसा पर बजट सत्र, 2024 के लिए 22 जुलाई, 2024 से 12 अगस्त, 2024 तक संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।" प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी सरकार का यह पहला बजट होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद की संयुक्त बैठक में अपने संबोधन में कहा था कि बजट में प्रमुख सामाजिक व आर्थिक फैसले लिए जाने की उम्मीद है। अप्रैल-जून में हुए लोकसभा चुनाव के कारण फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया गया था।

अप्रैल-मई में देश का कोयला आयात पांच प्रतिशत बढ़कर 5.22 करोड़ टन पर

नईदिल्ली

देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले दो माह में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 5.3 प्रतिशत बढक़र 5.22 करोड़ टन रहा है।

टाटा स्टील और सेल के संयुक्त उद्यम बी2बी ई-कॉमर्स मंच 'एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड' के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

इससे पिछले वित्त वर्ष के अप्रैल और मई माह में कोयला आयात 4.96 करोड़ टन रहा था। हालांकि, मई में कोयला आयात मामूली घटकर 2.61 करोड़ टन रहा है। पिछले साल मई में यह 2.65 करोड़ टन था। मई में कोयला आयात 1.43 प्रतिशत घटा है।

एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय वर्मा ने कहा कि मानसून की शुरुआत के कारण आने वाले सप्ताहों में आयात की मांग कम रहने की संभावना है, जबकि घरेलू बाजार में उत्पादन वृद्धि अच्छी रहनी चाहिए। इसके अलावा आपूर्ति की कमी के कारण समुद्री मार्ग से आने वाले कोकिंग कोयले के दाम चढ़ सकते हैं। इससे देश में खरीदारों की रुचि प्रभावित हो सकती है।

मई में कुल कोयला आयात में गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 1.75 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले साल मई में यह 1.81 करोड़ टन रहा था। कोकिंग कोयले का आयात मई में 50.3 लाख टन रहा, जो मई, 2023 में 51 लाख टन था।

घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है। कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने हाल में कहा था कि भारत को जीवाश्म ईंधन का घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए और कोयला आयात को कम करने का प्रयास करना चाहिए।

43 साल के हुए एमएस धोनी, पत्नी साक्षी ने पैर छूकर लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आज 43 साल के हो गए। मुंबई में बर्थडे सेलिब्रेशन के दौरान पत्नी साक्षी ने धोनी के पैर भी छुए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

एमएस धोनी ने अपनी पत्नी के साथ आधी रात को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया और केट काटा। इस दौरान साक्षी ने मजाकिया अंदाज में उनके पैर भी छुए और कैप्टन कूल ने उन्हें आशीर्वाद भी दिया।

बर्थडे सेलिब्रेशन का वीडियो सोशल मीडिया पर साक्षी ने शेयर किया। इसके अलावा, बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान भी इस अवसर पर मौजूद थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की, जिसका कैप्शन था। हैप्पी बर्थडे कप्तान साहब!

आमतौर पर सोशल मीडिया की सुर्खियों से दूर रहने वाले धोनी ने हाल ही में भारतीय टीम को टी20 विश्व कप की जीत पर बधाई दी और इसे अपना खास जन्मदिन का तोहफा बताया।

धोनी की आईपीएल फ्रैंचाइज़ी चेन्नई सुपर किंग्स ने भी यही वीडियो शेयर किया और कैप्शन दिया, पार्टी शुरू हो गई! पीएस: केक और थाला सबसे बढिय़ा कॉम्बो है!

भारत के पूर्व बल्लेबाज और धोनी के अच्छे दोस्त सुरेश रैना ने एक्स पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो माही भाई! आपको आपके हेलीकॉप्टर शॉट जितना शानदार और आपके स्टंपिंग कौशल जितना बेस्ट दिन की शुभकामनाएं।

भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने 2023 आईपीएल फाइनल की एक पुरानी तस्वीर शेयर की, जिसमें कैप्शन था, क्रिकेट में मेरे एकमात्र पसंदीदा व्यक्ति को जन्मदिन की शुभकामनाएं। माही भाई आपकी मौजूदगी सबसे बड़ा तोहफा है। ढेर सारा प्यार।

थाला के नाम से मशहूर धोनी ने भारत को तीन आईसीसी ट्रॉफी और चेन्नई सुपर किंग्स को पांच आईपीएल खिताब दिलाए।

कपिल देव और एमएस धोनी की विरासत रोहित शर्मा ने आगे बढ़ाई: गावस्कर

नई दिल्ली

भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप 2024 जीतने के लिए रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि सलामी बल्लेबाज एमएस धोनी और कपिल देव की तरह ही लोगों के कप्तान हैं।

रोहित टी20 विश्व कप 2007 और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारत की टीम के सदस्य थे।

कप्तान के तौर पर वो वनडे विश्व कप 2023 और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उपविजेता रहे। लेकिन रोहित को आखिरकार किस्मत का साथ तब मिला जब भारत ने पिछले महीने केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर टी20 विश्व कप जीता।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद रोहित ने टी20 विश्व कप 2024 जीत को अपने खेल करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया, जिसे भारत ने प्रतियोगिता में अजेय टीम के रूप में जीता।

गावस्कर ने लिखा, रोहित शर्मा उन दो अन्य क्रिकेट दिग्गजों, कपिल देव और धोनी के साथ शामिल हो गए हैं, जिन्होंने भारत को विश्व कप ट्रॉफी दिलाई है। इन दोनों की तरह, रोहित भी लोगों के कप्तान हैं।

न केवल उनकी टीम के सदस्यों द्वारा, बल्कि पूरे भारतीय क्रिकेट समुदाय में उन्हें खूब पसंद किया जाता है। क्रिकेट प्रशंसकों को उनकी नेतृत्व शैली भी पसंद है और रणनीति के मामले में, वे खेल में सबसे तेज हैं। उनके कुछ कदम आपको आश्चर्यचकित कर सकते हैं, लेकिन अंतिम परिणाम अक्सर वही होता है जिसकी टीम को उस समय जरूरत होती है।

गावस्कर ने रोहित और राहुल द्रविड़ की कप्तान-कोच जोड़ी की भी सराहना की, जिन्होंने भारत को ट्रॉफी जीतने में अहम भूमिका निभाई। राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में सहयोगी स्टाफ ने भी जीत में अहम भूमिका निभाई।

आज का राशिफल

मेष: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। व्यवसायिक मामलों में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए मेहनत करने की जरूरत है। विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

वृष: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने काम को नया रूप देने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों में भी रुचि रहेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता संबंधित गतिविधियों में सफलता मिलेगी।

मिथुन: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अधिकारियों के साथ आपको अपने व्यवहार में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। धन लाभ के नए सोर्स नजर आ सकते हैं। आपको परिवार के किसी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है।

कर्क: आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय नुकसान न करें। रूका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। जीवनसाथी के साथ डिनर का प्रोग्राम बन सकता है।

सिंह: आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आप जिस लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, वह आज मिल जायेगा। आज आपका मनोबल और आत्मविश्वास बेहतर बना रहेगा।

कन्या : आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही स्पेशल होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा, जिससे कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। आज आपका मन कार्यों में लगा रहेगा।

तुला: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आप खुद को एनेर्जेटिक महसूस करेंगे। संयम बनाकर काम करने से आपके बिगड़ते काम भी बनेंगे। इस राशि के इंजीनीयर्स के लिए आज का दिन खास है बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है।

वृश्चिक : आज आपका दिन बढिय़ा रहने वाला है। आप परिवारवालों के साथ समय बिताएंगे। घर में खुशी का महौल बना रहेगा। इस राशि के एग्रोकेमिकल व्यापारी वर्ग को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है।

धनु: आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

मकर: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज ऑफिस में आपका कोई काम कलीग की सहायता से पूरा हो जायेगा। आज आपका पारिवारिक मामला किसी बड़े बुजुर्ग की सहायता से सुलझ जायेगा, परिवार में फिर से खुशियां आएंगी।

कुंभ: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको खुद को साबित करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। आज आपका मन दान-पुण्य में अधिक लगेगा। किसी काम को पूरा करने में आज किसी दोस्त की मदद मिलेगी।

मीन: आज का दिन सुनहरा रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे, साथ ही आज किसी महत्वपूर्ण या राजनीतिज्ञ से मुलाकात फायदेमंद होगी। आज कारोबार में आपको फायदा होगा।

अजय-तबू की औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट अनाउंस, 2 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

अजय देवगन और तबू स्टारर मच अवेटेड फिल्म औरों में कहां दम था को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है. इस फिल्म के ट्रेलर के बाद से तो इसका काफी बज बना हुआ है. ये फिल्म पहले 5 जुलाई 2024 को रिलीज होने वाली थी. हालांकि फिल्म की रिलीज डेट टाल दी गई थी. फाइनली फिल्म की लीड स्टार्स ने औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है. चलिए जानते हैं अजय और तबू की ये रोमांटिक ड्रामा बड़े पर्दे पर कब दस्तक देगी?

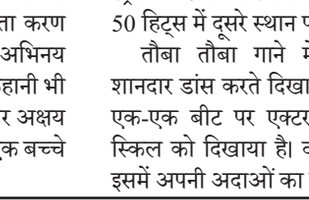

औरों में कहां दम था का निर्माण करने वाली कंपनी फ्राइडे फिल्मवर्क्स ने 3 जुलाई को इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर अनाउंस किया था कि फिल्म की रिलीज की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है. नोट पर ये भी लिखा गया था कि नई रिलीज़ डेट जल्द ही घोषित की जाएगी. तब से फैंस मेकर्स द्वारा रिलीज की तारीख की घोषणा का इंतजार कर रहे थे और आज फाइनली फिल्म की नई रिलीज डेट अनाउंस कर दी गई है.

अजय और तबू ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी नई रिलीज डेट अनाउंस की है. इसके मुताबिक ये फिल्म 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

गिप्पी ग्रेवाल की अरदास सरबत दे भले दी का टीजर जारी, जैस्मीन भसीन संग जमी जोड़ी

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री वह इंडस्ट्री है, जिनकी फिल्में नॉर्थ जोन के अलावा दूसरे प्रदेशों में भी दर्शक देखना पसंद करते हैं. बता दें, पंजाब इंडस्ट्री की कई हिट फिल्में हैं, जिन्होंने दूसरे प्रदेश के लोगों के दिलों में यह खास जगह बनाई है. अगर गिप्पी ग्रेवाल की बात करें तो वह पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के एक जाना माना चेहरा हैं. जहां उनकी पंजाब में ही नहीं दूसरी जगह भी काफी लंबी फैंस फॉलोइंग हैं. गिप्पी ग्रेवाल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म अरदास सरबत दे भले दी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. हाल ही में इस फिल्म का टीजर दर्शकों के सामने आ गया है. बता दें, साल 2016 में आई गिप्पी ग्रेवाल की फिल्म अरदास को दर्शकों ने काफी पसंद किया था. बॉक्स ऑफिस पर सफलता मिलने के बाद इसकी दूसरी किस्त अरदास करण भी मनोरंजन करने के लिए साल 2019 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

विक्की कौशल त्रिप्ति डिमरी और एमी विर्क स्टारर बैड न्यूज का पहला गाना तौबा तौबा जारी

आनंद तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म बैड न्यूज पिछले लंबे वक्त से जबरदस्त चर्चा में है।यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए पहली बार विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की जोड़ी देखने को मिलेगी।एमी विर्क भी इस फिल्म महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। तीनों की तिकड़ी देखने के लिए दर्शक बेताब हैं।अब निर्माताओं ने बैड न्यूज का पहला गाना तौबा तौबा जारी कर दिया है, जिसे करण औजला ने अपनी आवाज दी है।

इस गाने के बोल करण ने लिखे हैं, वहीं गाने का संगीत भी उन्होंने ही तैयार किया है। यह फिल्म 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।कॉमेडी के साथ रोमांस के तडक़े से भरपूर इस फिल्म के निर्माता करण जौहर हैं।नेहा धूपिया भी इस फिल्म में अभिनय करती नजर आएंगी।इस फिल्म की कहानी भी साल 2019 में आई करीना कपूर और अक्षय कुमार की फिल्म गुड न्यूज की तरह एक बच्चे के इर्द-गिर्द घूमती है।

विक्की ने तौबा तौबा गाने का म्यूजिक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे कुछ कठिन डांस मूव्स को बड़ी ही आसानी से करते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने क्लिप के कैप्शन में लिखा, पंजाबी गाना और मैं डांस न करूं? चलो चलें, तौबा तौबा गाना अभी रिलीज हुआ है। यह पहली बार नहीं है जब विक्की ने पंजाबी गाने पर डांस किया हो।

पिछले साल विक्की रियार साब और अभिजय शर्मा के गाने ऑब्सेस्ड पर ऑल-ब्लैक आउटफिट में डांस करते हुए वायरल हुए थे।

उनके डांस मूव्स ने इस गाने को म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म स्पॉटिफाई पर भारत के टॉप 50 हिट्स में दूसरे स्थान पर पहुंचाया।

तौबा तौबा गाने में विक्की कौशल शानदार डांस करते दिखाई दे रहे हैं। गाने की एक-एक बीट पर एक्टर ने अपनी डांसिंग स्किल को दिखाया है। वहीं तृप्ति डिमरी भी इसमें अपनी अदाओं का जादू दिखा रही हैं।

शब्द सामर्थ्य- 111

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा) 11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 110 का हल

ग	ल	त	ज्ञ	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

सू-दोकू- 111

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.110 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6